

विषयना पत्रिका संग्रह

वर्ष २५ से वर्ष २७ (जुलाई १९९५ से जून १९९८ तक)

भाग-९

विषयना विशेषज्ञ विन्यास

विषयना

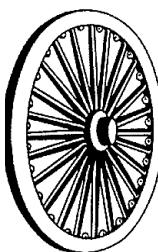
पत्रिका संग्रह

भाग - ९

वर्ष २५ से वर्ष २७

(जुलाई १९९५ से जून १९९८ तक)

विषयना आचार्य श्री सत्यनारायण गोयका तथा अन्य साधकों के विषयना पत्रिका में प्रकाशित लेखों का संग्रह



विषयना विशोधन विव्यास
धर्मगिरि, इगतपुरी

H99 - विपश्यना पत्रिका संग्रह भाग - ९

© ivpIynAivÖDn iv®A
s vADkpa s niöt

pRms Xpf : ist M 2018

ISBN 978-81-7414-418-8

प्रकाशक:

विपश्यना विशेधन विन्यास
Dýngir, qgt pñl - 422 403
ij 1 AnÄkþ nhAAxÃ
Pon: 02553-244998, 244076,
244086, 244144, 244440;
Email: vri_admin@vridhamma.org
info@giri.dhamma.org
Website: www.vridhamma.org

मुद्रक:

अपोलो प्रिंटिंग प्रेस
j I-259, s kñpil imxe, 69 am SA. zI. s I,
s Apn, nÄkþ422007, nhAAxÃ

विषयना पत्रिका संग्रह भाग - १

विषयानुक्रमणिका

(जुलाई १९९५ से जून १९९६ तक)

वार्षिक अधिवेशन १९९५	९
s init yAkH irpoxQ vpl VDyAS È á‰A.....	11
ivplynAvÖDn pirúd-s ýnén.....	12
S® ÖDs init yAkH irpoxQ.....	12
pUgrH kpAs mPn áAcn.....	13
उद्बोधन	१८
á‰AkHTA.....	19
उद्बोधन	२४
दान-कथा	२५
प्रकाश-पर्व	३०
ivj y-pvQ.....	32
उद्बोधन	३७
c A SAQy	37
आत्मकथन - १	४४
नये जीवन के चालीस वर्ष	४४
आत्मकथन - २	५२
मंगलमयी कृतज्ञता	५२
साधनाः लक्ष्य और उद्देश्य (डॉ. ओम प्रकाश)	५७
धर्म एवं विज्ञान (प्रो. पी. एल. धर)	६०
एकाग्रता	६५

धर्म और विज्ञान (प्रो. पी. एल. धर)	68
ivōA S̄E B̄t k̄yA	68
विज्ञान की नयी विचारधारा	69
अनाथपिंडिक - १	76
b̄d̄-d̄Q	76
वैशाख पूर्णिमा	78
b̄j yM	81
अनाथपिंडिक - २	85
DnQd̄Q	85

(जुलाई १९९६ से जून १९९७ तक)

स्थूल से सूक्ष्मता की ओर	९३
गृहस्थ धर्म	९८
DYnkpS M	98
Öl DnQ	100
gBQ I nAS E ivp̄lynA(डा. ओम प्रकाश)	102
उद्बोधन	104
SpnY kp ghn SA W	105
उद्बोधन	111
kP kPw A	111
उद्बोधन	118
mn kpAs M S̄E srl t A	118
समता धर्म	122
आत्मकथन - ३	129
शिविर संस्मरण	129
bAMKl gyA	129

आत्मकथन - ४	१३४
शिविर संस्मरण	१३४
S oE AhI hS A.....	134
nihl A Akp vt QM VAt S E ivpIynAs AdnA (चंद्रग्रकाश जायसवाल)	१३८
आत्मकथन - ५	१४२
अलविदा बाबू भैया	१४२
आत्मकथन - ६	१५१
शिविर संस्मरण	१५१
S iDIXA Pp IBU hS A.....	151
आत्मकथन - ७	१५८
कैसे सज्जन लोग	१५८
s yA I Wb AWyn	158

(जुलाई १९९७ से जून १९९८ तक)

अनाथपिंडिक - ३	१६७
s MdOQ.....	167
s M nAS E ic OAk p ivk p A (मुनिश्री भुवनचंद्र)	१७२
धर्म वाहिनी सघन तश्तरी (सी. डी. रोम)	१७६
विपश्यना पगोडा क्यों	१८४
आत्मकथन - ८	१९२
बहुत उपकार है ब्रह्मदेश का.....	१९२
t p% aB V k p	193
n h A l A vr g v p it	194
s f S E w A	195
बिंबिसार	२००

nhA il cEvI.....	200
धन्य हुई वैशाली	206
अनाथपिंडिक - ४	218
dA-cenA.....	214
आत्मकथन - ९	221
भाभी मां का ऊर्ध्व गमन	221
आत्मकथन - १०	228
कैसे सज्जन लोग	228
Wit hA.....	228
धारण करे तो धर्म.....	234
धर्म आचरण में उतरे	242
कृतज्ञता ज्ञापन	249
दान चेतना.....	253

॥ ॥ ॥